भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2547
21 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

भारत-जापान इस्पात वार्ता के परिणाम

2547. श्री केसरीदेवसिंह झाला :

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत और जापान के बीच इस्पात क्षेत्र में सहयोग के कौन-कौन से विशिष्ट क्षेत्रों पर चर्चा हुई ;

(ख) क्या इस वार्ता के दौरान कोई नया समझौता या समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या जापानी इस्पात कंपनियों ने भारत में कोई निवेश प्रतिबद्धताएं व्यक्त की हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क) : भारत और जापान ने इस्पात क्षेत्र में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की जिसमें आर्थिक रुझानों, उद्योग के विकास और दोनों देशों को प्रभावित करने वाली वैश्विक चुनौतियों पर जोर दिया गया। वार्ता में भारत और जापान में इस्पात उद्योग की वर्तमान स्थिति, भारत के गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) की जानकारी, कुछ देशों द्वारा अधिक उत्पादन के प्रभाव और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर सहयोग संबंधी चर्चा की गई।

(ख) से (ङ) : दोनों देशों के बीच इस्पात उद्योग के क्षेत्र में सहयोग के विकास को बढ़ावा देने के लिए इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार तथा आर्थिक, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय (एमईटीआई), जापान सरकार के बीच पहले से ही एक मौजूदा सहयोग ज्ञापन (एमओसी) है। तथापि, इस्पात क्षेत्र एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, इस्पात कंपनियां सरकार की भागीदारी के बिना अपने वाणिज्यिक हितों पर आधारित निवेश संबंधी निर्णय लेती हैं।

****